



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 262]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 30, 1976/श्रावण 8, 1898

No. 262]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 30, 1976/SRAVANA 8, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July 1976

G.S.R. 491(E).—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Food Corporation Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Food Corporations (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall be deemed to have come into force on 1st day of January, 1973.
2. In the Food Corporations Rules, 1965, in rule 11 in sub-rule (2), for the figures "1800—100—2000", the figures "1800—100—2000—125/2—2250" shall be substituted.

Explanatory Memorandum

The Food Corporations (Amendment) Rules, 1976 have been made to implement the decisions taken by the Central Government on the proposals of the Food Corporation of India regarding revision of pay scales and conditions of service of the employees of the Corporation based on the recommendations of the Pay Committee constituted by the Corporation for this purpose. The Committee had recommended revision of pay scales of all employees of the Corporation including its Secretary, with effect from the 1st January, 1973 on the analogy of the revision of pay scales in the Central Government. The Central Government accepted the proposal of the Food Corporation to give effect to revision of pay scales with effect from the 1st January, 1975 in order to give greater benefit to its employees.

[No. F. 2-1/76-FC-1.]

L. C. GUPTA, Jt. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

सा० का० नि० 491 (अ).—केन्द्रीय सरकार, खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 44 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाद्य निगम नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे।

2. खाद्य निगम नियम, 1965 में, नियम 11 के उपनियम (2) में, अंक "1800-100-2000" के स्थान पर "1800-100-2000-125/2-2250" रखे जायेंगे।

स्पष्टीकारक ज्ञापन

खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1976 उन विनिश्चयों को क्रियान्वित करने के लिए बनाए गए हैं जो केन्द्रीय सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारियों के वेतनमानों और सेवा की शर्तों के पुनरीक्षण के बारे में निगम की प्रस्थापनाओं की बाबत किए थे जो कि निगम द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित वेतन समिति की सिफारिशों पर आधारित हैं। समिति ने केन्द्रीय सरकार के वेतनमानों के पुनरीक्षण के सादृश्य पर, 1 जनवरी, 1973 से, निगम के सचिव सहित उसके सभी कर्मचारियों के वेतनमानों के पुनरीक्षण की सिफारिश की थी। केन्द्रीय सरकार ने 1 जनवरी, 1973 से वेतनमानों के पुनरीक्षण को प्रभावी करने की खाद्य निगम की प्रस्थापना को स्वीकार कर लिया जिससे कि उसके कर्मचारियों को और अधिक फायदा दिया जा सके।

[सं० का० 2-1/76-एफ० सी०—I]

एल० सी० गुप्त, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिंटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976